राष्ट्रीय संगोष्ठी

''आधुनिक जीवन शैली एवं जैव विविधता का अस्तित्व''

(Existence of Biodiversity and Modern Life Style)

आयोजक : समाजशास्त्र विभाग

गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी चित्रकूट

दिनाँकः 25-26 फरवरी, 2021

संगोष्ठी आख्या, वक्ताओं के नाम एवं निष्कर्ष

उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्तपोषित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ***''आधुनिक जीवन शैली एवं जैव विविधता का अस्तित्व'' (Existence of Biodiversity and Modern Life Style)*** का आयोजन दिनाँक : 25–26 फरवरी, 2021 को समाजशास्त्र विभाग, गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी चित्रकूट द्वारा किया गया। पंजीकरण एवं जलपान का कार्य प्रातः 08:30 बजे से प्रारम्भ हुआ। प्रातः 10:00 बजे प्रभारी प्राचार्य डॉ0 राजेश कुमार पाल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि श्री कैलाश प्रकाश, प्रभागीय वनाधिकारी, चित्रकूट (उ0प्र0) के द्वारा संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन सत्र में वक्ता के रूप में डॉ0 एस0के0 चतुर्वेदी, विभागाध्यक्ष, जन्तु विज्ञान, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, म0प्र0 एवं डॉ0 देवकुमार, एसो0प्रोफेसर, कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बाँदा, उ0प्र0 ने अपने विचार रखे। इसके पूर्व संयोजक श्री अमित कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन का दायित्व डॉ0 वंशगोपाल एवं सहसंयोजक अमित कुमार सिंह ने संभाला।

उद्घाटन सत्र

दिनाँकः 25.02.2021 समयः 10:00 से 11:45 बजे तक

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 राजेश कुमार पाल	प्रभारी प्राचार्य	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट
2.	श्री अमित कुमार सिंह	सह संयोजक	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट
3.	श्री कैलाश प्रकाश	डी0एफ0ओ0	चित्रकूट
4.	डॉ0 एस0के0 चतुर्वेदी	विभागाध्यक्ष जन्तुविज्ञान	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, म0प्र0
5	डॉ0 देवकुमार	एसो0प्रोफेसर	कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बाँदा, उ0प्र0
6.	डॉ0 वंशगोपाल	संचालक	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0

उद्घाटन सत्र के उपरांत 11:45 से 12:00 तक का समय स्वल्पाहार का रहा। इसके पश्चात् 12:00 बजे से 02:00 बजे तक प्रथम तकनीकी सत्र का शुभारंभ हुआ। प्रथम तकनीकी सत्र के वक्ताओं का विवरण निम्नवत् हैं

प्रथम तकनीकी सत्र

(Resource Person) **दिनाँकः 25.02.2021 समयः 12:00 से 02:00 बजे तक**

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	श्री अमित कुमार सिंह	सह संयोजक	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0
2.	डॉ0 एस0कुरील	एसो0प्रोफेसर	महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ चित्रकूट, उ0प्र0
3.	डॉ0 जे0पी0 सिंह	असि0प्रोफेसर	राजकीय महिला पी0जी0 कालेज बांदा, उ0प्र0
4.	डॉ0 राजेश चन्द्र पाण्डेय	एसो0प्रोफेसर	डी0वी0 कालेज उरई, जालौन, उ0प्र0

प्रथम तकनीकी सत्र के समापन के पश्चात् 02:00 से 03:00 बजे तक भोजनावकाश का समय रहा। भोजन पश्चात् द्वितीय तकनीकी सत्र का समय 03:00 से 05:00 बजे तक निर्धारित किया गया। द्वितीय तकनीकी सत्र में जो वक्ता उपस्थित रहे उनका विवरण निम्नवत् है–

द्वितीय तकनीकी सत्र

(Resource Person) **दिनाँकः 25.02.2021 समयः 03:00 से 05:00 बजे तक**

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 धीरेन्द्र सिंह	असि0प्रोफेसर	राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर, चित्रकूट
2.	डॉ0 नीरज द्विवेदी	असि0प्रोफेसर	डी0वी0कालेज उरई, जालौन, उ0प्र0
3.	डॉ0 सुनील मिश्र	असि0प्रोफेसर	राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर, चित्रकूट
4.	डॉ0 हेमन्त बघेल	असि0प्रोफेसर	राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर चित्रकूट

द्वितीय सत्र के समापन के पश्चात् सभी अतिथियों को सूक्ष्म जलपान कराया गया। इसके पश्चात् इच्छुक प्रतिभागियों ने चित्रकूट भ्रमण किया तथा शेष प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

दिनाँक 26.02.2021 को प्रातः 08:30 बजे से जलपान के पश्चात् 09:00 बजे से तृतीय तकनीकी सत्र का प्रारम्भ हुआ जो 11:00 बजे समाप्त हुआ। इसमें जो विद्वत्जन वक्ता के रूप में उपस्थित रहे उनका विवरण निम्नवत् है–

तृतीय तकनीकी सत्र

(Resource Person) **दिनाँकः 26.02.2021 समय 09:00 से 11:00 बजे तक**

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय का नाम
1	डॉ0 विनोद मिश्र	संकायाध्यक्ष	जे0आर0एच0यू0 चित्रकूट, उ0प्र0
2.	डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह	असि0प्रोफेसर	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कर्वी, चित्रकूट, उ0प्र0
3.	डॉ0 देवेन्द्र पाण्डेय	एसो0प्रोफेसर	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, सतना, म0प्र0
4.	डॉ0 सुनीता श्रीवास्तव	असि0प्रोफेसर	जे0आर0एच0यू0 चित्रकूट, उ0प्र0

तृतीय तकनीकी सत्र के समापन के बाद सूक्ष्म जलपान के उपरांत चतुर्थ तकनीकी सत्र का प्रारम्भ 11:30 से अपराह्न 01:30 तक रखा गया। इस सत्र में जो वक्ता मंचासीन रहे उनका विवरण निम्नवत् है–

चतुर्थ तकनीकी सत्र

(Resource Person) **दिनाँकः 26.02.2021 समय 11:30 से 01:30 बजे तक**

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम
1	डॉ0 राजेश कुमार पाल	प्रभारी प्राचार्य	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट उ0प्र0
2.	डॉ0 अमूल्य कुमार सिंह	एसो0प्रोफेसर	साकेत महाविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0
3.	डॉ0 निरुपमा सिंह	एसो0प्रोफेसर	डी0ए0वी0 पी0जी0 कालेज लखनऊ
4.	डॉ0 आशीष प्रताप सिंह	एसो0प्रोफेसर	साकेत महाविद्यालय अयोध्या, उ0प्र0
5	डॉ0 ललित कुमार सिंह	एसो0प्रोफेसर	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, म0प्र0

चतुर्थ तकनीकी सत्र के समापन के पश्चात् सभी अतिथियों, शोधकर्ताओं एवं अन्य उपस्थितजनों ने भोजन ग्रहण किया। भोजनोपरांत 02:30 से समापन सत्र (षष्ठम् सत्र) का प्रारंभ हुआ जो 04:00 बजे सम्पन्न हुआ। समापन सत्र में जो विद्वत्जन मंचासीन रहे उनका विवरण निम्नव् है–

समापन सत्र (षष्ठम् सत्र)

दिनाँकः 26.02.2021 समय 02:30 से 04:00 बजे तक

क्र0सं0	नाम	पदनाम	महाविद्यालय/विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम
1	डॉ0 वी0के0शनवाल	विभागाध्यक्ष	गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोयडा, उ0प्र0
2.	डॉ0 राकेश राणा	असि0प्राफेसर	एम0एम0एच0 कालेज गाजियाबाद, उ0प्र0
3.	डॉ0 राजेश त्रिपाठी	एसो0प्रोफेसर	महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, म0प्र0
4.	श्री अभिमन्यु सिंह	समाजसेवी	सर्वोदय सेवा संस्थान चित्रकूट, उ0प्र0
5	डॉ0 राजेश कुमार पाल	संयोजक राष्ट्रीय संगोष्ठी	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट उ0प्र0
6.	श्री अमित कुमार सिंह	सहसंयोजक	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट उ0प्र0
7.	डॉ0 वंशगोपाल	संचालक	गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कर्वी, चित्रकूट उ0प्र0

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 वी0के0 शनवाल उपस्थित रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ0 राजेश कुमार पाल ने की। समापन सत्र में वक्ता के रूप में डॉ0 राकेश राणा, डॉ0 राजेश त्रिपाठी ने अपने विचार रखे। समापन सत्र के अंत में संगोष्ठी सहसंयोजक, श्री अमित कुमार सिंह ने सम्पूर्ण सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन सहसंयोजक अमित कुमार सिंह एवं संचालन का कार्य डॉ0 वंशगोपाल द्वारा किया गया।

संगोष्ठी के निष्कर्ष

''आधुनिक जीवन शैली एवं जैव विविधता का अस्तित्व'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी के जो बिन्दु निर्धारित किये गये थे उन सबसे संबंधित व्याख्यान एवं शोध–पत्र पढ़े गये। इन व्याख्यानों एवं शोधपत्रों के प्रस्तुतीकरण के फलस्वरूप जो निष्कर्ष प्राप्त हुए वे निम्नवत् हैं–

- भारत विविध जैव विविधता वाला क्षेत्र रहा है। परन्तु वर्तमान में जैव विविधता का क्षेत्र सिमटता जा रहा है। इसे कैसे विस्तारित किया जाये यह विचारणीय बिन्दु है।
- अनेक कीट–पतंगों, तितलियों की प्रजातियाँ प्रतिदिन विलुप्त हो रही हैं। ये प्रकृति के अटूट अंग हैं। इन्हें बचाने हेतु सबको प्रयास करने की जरूरत है।
- पक्षियों एवं जीव–जन्तुओं की संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाया जाना चाहिए अन्यथा प्रत्येक पशु–पक्षियों की आकृति सिर्फ किताबों में ही रह जायेगी। इनके प्राकृतिक आवासों की तरफ गमन करने में पूर्णतः रोक होनी चाहिए।
- अवैध खनन, कंक्रीट के फैलते जाल, नगरीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति, चहुंओर विकास के नाम पर अंधाधुन्ध वनों एवं पेड़–पौधों के विनाश पर कठोर प्रतिबन्ध लगने चाहिए। इन सब गतिविधियों से जैव विविधता एवं पारिस्थितिकीय तन्त्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- जनसंख्या वृद्धि पर नियन्त्रण हो। पर्यावरणीय प्रदूषण भी कम हो। रसायनों एवं कीटनाशकों पर प्रतिबन्ध की जरूरत है। इन सबके परिणामस्वरूप जैव विविधता के संरक्षित क्षेत्र को बचाया जा सकता है।
- यन्त्र एवं यान्त्रिक साधनों का प्रयोग सीमित हो। मनुष्य में प्राकृतिक सम्पदाओं के विषय में संवेदना विकसित करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों के पाठ्क्रम में जैव विविधता अनिवार्य रूप से शामिल की जाये। वृक्षारोपण का भाव बचपन से ही

विकसित किया जाये। पशु–पक्षियों एवं जीवों के प्रति दया व करुणा का पाठ किशोरावस्था से ही पढ़ाना चाहिए। समाजसेवियों का ध्यान भी इस ओर अपेक्षित है। जल के परम्परागत स्रोतों को भी बचाने में सभी भागीदारी आवश्यक है। विलासतापूर्ण जीवनशैली को त्यागना होगा।

- जन्तु जगत, वनस्पति जगत एवं मानव जगत में समन्वय आवश्यक है। सभी एक दूसरे के पूरक हैं।

Goswami Tulsidas Govt. P.G. College
Chitrakoot (U.P.)
(IQAC)
Dr. Vansh Gopal
Dr. Rajesh Kumar Pal
Principal
on
Existence of Biodiversity and Modern Life Style
आधुनिक जीवन शैली एवं जैव विविधता का अस्तित्व
Sponsored By : Higher Education Department, Govt. of Uttar Pradesh
25-26 February 2021
Organized By : Department of Sociology
Goswami Tulsidas Govt. P.G. College Karwi, Chitrakoot (U.P.)
Amit Kumar Singh
Co-convenor
Dr. Rajesh Kumar Pal
Convenor/Principal

...ष्ट्रीय संगोष्ठी का...

...जीवनशैली एवं जैव विविधता के अस्तित्व पर हु...

... तुलसीदास ... महाविद्यालय में आध... एवं जैव विविधता के ...य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ... शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभागीय ...ारी कैलाश प्रकाश, प्राचार्य डॉ ... कुमार पाल ने किया।

प्रभागीय वनाधिकारी ने बताया कि ...ी पर जीवन की विविधता है। विविध... वह आधार है जिसका उपयोग अपनी ...द्धि और विकास के लिए हर सभ्यता ने ...या है। जिन्होंने प्रकृति की इस देन का ...पयोग बुद्धिमत्ता से और निर्वहनीय ढंग ... किया वे सभ्यताएँ जीवित रहीं। जबकि ...का अति उपयोग या दुरुपयोग करने ... सभ्यताएँ नष्ट हो गयीं। पृथ्वी पर ... की विविधता इतनी अधिक है कि ...सका निर्वहनीय उपयोग करें तो ...ढ़ियों तक जैव विविधता से नये ...कास करते रहेंगे। मुख्य वक्ता ...क विवि बांदा के प्रो डॉ ... कि जैविक या जैव ... अंग है जिसमें ...ों में जीन ...ीय

संगोष्ठी में मौजूद मुख्य अतिथि प्रभागीय वनाधिकारी कैलाश प्रकाश, प्राचार्य डॉ राजेश कुमार पा... प्राध्यापक।

प्रोफेसर ने जैव विविधता को वैश्वीकरण एवं उद्योगीकरण के कारण हो रहे क्षरण को प्राकृतिक आपदाओं से जोड़ते हुए गहरी चिन्ता व्यक्त की। डॉ एस कुरील ने नगरीकरण, औद्योगीकरण से हो रहे वनों के विनाश पर चर्चा करते हुए बताया कि इससे जीवों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। अनेक प्रजातियाँ विलुप्ति के कगार ...र हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ ... पाल ने बताया कि देश में ...

रहा है यह अस्पष्ट है। निर्जन क्षेत्र तेजी से सिकुड़ रहे हैं। अधिकांश प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तन्त्रों का अति उपयोग हो रहा है। संसाधनों के इस अनिर्वहनीय उपयोग के कारण जो भूखण्ड कभी उत्पादक वन और घास के मैदान थे अब रेगिस्तान बन चुके हैं। बढ़ती जनसंख्या वनों के पारिस्थितिकीय तन्त्रों का विनाश कर रही है। इस मौके पर मुख्य वक्ता डॉ जेपी सिं... असि. प्रोफेसर राज...

...रेन्द्र सिंह, डॉ धर्मेन्द्र सिंह, डॉ हेम... बघेल, डॉ सुनील मिश्र ने वि... संचालन डॉ वंशगोपाल ने ... के सहसंयोजक डॉ अमि... अतिथियों के प्रति ... अवसर पर मह... रामनरेश ... कु...

...न की तरह करना होगा जैव विविधत...

...ले प्रभागीय

...यूरो : गोस्वामी तुलसीदास ... स्नातकोत्तर महाविद्यालय ... में गुरुवार को ''आधुनिक ...नशैली एवं जैव विविधता का ...स्तित्व'' विषयक दो दिवसीय ...ष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ किया ...या।

शुभारंभ करने के बाद प्रभागीय ...नाधिकारी कैलाश प्रसाद ने बताया ... पृथ्वी पर जीवन की विविधता है। ...विधता वह आधार है, जिसका ...ोग अपनी बुद्धि और विकास के ...र सभ्यता ने किया है। जिन्होंने ... की इस देन का उपयोग ...से और निर्वहनीय ढंग से ...भ्यताएं जीवित रहीं। ... अति उपयोग या ... सभ्यताएँ नष्ट ... विविधता ...

चित्रकूट : जैव विविधता के प्रति जागरूक करते डीएफओ, प्राचार्य व प्रवक्ता।

नये उत्पादों का विकास करते रहेंगे। यह तभी होगा जब हम जैव-विविधता का उपयोग एक कीमती संसाधन के रूप में करें और प्रजातियों के विनाश को रोंके।

मुख्य वक्ता डॉ देवकुमार ने बताया कि जैविक विविधता अथवा जैव-विविधता प्रकृति का वह अंग है जिसमें किसी प्रजाति के अलग-अलग ...स्यों में जीन की विविधता शामिल ...ेत्रीय तथा वैश्विक स्तर

पर पौधों और प्राणियों की तमाम प्रजातियों की विविधता और संवृद्धि शामिल है और एक सुनिश्चित क्षेत्र में परिस्थितिकीय तन्त्रों के स्थलीय प्रकार शामिल हैं। डॉ एस के चतुर्वेदी, डॉ एस कुरील ने अपने सम्बोधन में नगरीकरण, औद्योगीकरण के कारण हो रहे वनों के विनाश पर चिंता जतायी। प्राचार्य डॉ राजेश कुमार पाल ने बताया कि हमारे पूरे देश में जैव-विविधता का विनाश ...

हो रह... हमारी स... सीमा पर ... लगातार बढ़ती ... वनों के पारिस्थि... तन्त्रों का विनाश कर ... है। इस दौरान डॉ जे... सिंह, डॉ धीरेन्द्र सिंह, ... धर्मेन्द्र सिंह, डॉ हेमन्त सिंह बघेल, डॉ सुनील मिश्र ने जैव विविधता के क्षरण में बढ़ती मानवीय विकासात्मक गतिविधियों... उपभोक्तावादी ... भौतिकतावादी जीवनशैली ... उत्तरदायी कारक बताया। संचाल... वंशगोपाल के द्वारा किया ... आभार सहसंयोजक डॉ अमि... सिंह द्वारा व्यक्त किया ... अवसर पर महाविद्या... डॉ रामनरेश यादव ... सीमा कुमा... अत...

(डॉ0 राजेश कुमार पाल)
संयोजक / प्रभारी प्राचार्य
राष्ट्रीय संगोष्ठी